जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 49 संख्याः 182 प्रभात कोटा, मंगलवार 16 अप्रेल, 2024 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

गृह मंत्री अमित शाह ने जयपुर वॉल्ड सिटी में सोमवार को रोड शो किया। करीब 1.8 किलोमीटर लम्बा यह रोड शो सांगानेरी गेट से शुरु होकर छोटी चौपड़ पर खत्म हुआ। अमित शाह के साथ खुली जीप में मु.मंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा की उम्मीदवार मंजू शर्मा और उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी भी थीं। पूरे रोड शो में चारदीवारी में बहुत भारी भीड़ देखी गई। शाह का कार्यक्रम शुरु होने से पहले चारदीवारी के अंदर पूरे शहर को भाजपा के पोस्टर्स और बैनर्स से सजाया गया था।

'राहुल गांधी व अभिषेक के हैलिकॉप्टरों की तलाशी

चुनाव आयोग सूत्रों ने तलाशी को जायज़ ठहराया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अप्रेल। चुनाव आयोग के अधिकारियों द्वारा आज कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हैलीकॉप्टर व रविवार को तृणमूल कांग्रेस नेता अभिषेक बनर्जी के हैलीकॉप्टर की तलाशी लिया जाना कई सवाल खड़े करता है, तथापि चुनाव आयोग के सूत्रों ने इस बात पर जोर दिया कि मुफ्त उपहारों के परिवहन को रोकने के मानक निर्देशों के अनुसार ही ऐसा किया जा रहा है।

चुनाव आयोग के अधिकारियों ने ना तो पहचान उजागर की और ना ही अपनी कार्यवाही का अधिकृत रूप से बचाव करने का प्रयास किया। लेकिन तलाशी के लिए जिस नेता को चुना गया उस पर अवश्य सवाल खड़े होते हैं क्योंकि जाँच-पड़ताल विपक्ष के नेताओं तक ही सीमित है और खासतौर पर सत्तारूढ़ भाजपा की दो मुख्य राजनीतिक प्रतिद्वंदी पार्टियाँ कांग्रेस और तृणमूल तक।

अपनी कार्रवाई को उचित ठहरा रहे अधिकारियों ने उल्लेख किया कि तलाशी लेना कोई नई बात नहीं है, जैसा अभिषेक व राहुल गांधी के केस में किया गया है।

- **इन सूत्रों के अनुसार, तलाशी लेने व कालाधन लाने ले जाने पर कड़ी निगाह रखने की नीति ने बहुत अच्छे ''रिज़ल्ट'' दिये हैं और अब तक 4650 करोड़ रूपये पकड़े गये।**
- **विपक्ष का पलट आरोप है, यह तलाशी केवल विपक्ष के नेताओं व काफिलों की ही क्यों हो रही है।**

तमिलनाडू पुलिस ने बताया कि राहुल गांधी जिस हैलीकॉप्टर में सवार थे, उसके नीलगिरी में उतरने पर फ्लाईंग स्कवाड के अधिकारियों ने उसकी तलाशी ली।

राहुल गांधी केरल के अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र वायनाड जाने वाले थे, जहाँ उन्हें एक सार्वजनिक रैली सहित कुछ चुनाव प्रचार गतिविधियों में भाग लेना था।

राहुल वायनाड से लगातार दूसरी बार लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। वहाँ 26 अप्रेल को वोटिंग है।

चुनाव आयोग की ओर से बताया गया कि चुनावों से पूर्व सभी जिला मजिस्ट्रेटों और पुलिस अधीक्षकों से कहा गया है कि वे एयरफील्ड्स और हैलीपैड्स पर कड़ी निगरानी रखे। देश के सार्वजनिक एवं निजी दोनों ही एयरफील्ड्स पर तलाशी ली जा रही है ताकि मतदाताओं को प्रलोभन देने वाली वस्तुओं का हवाई मार्ग से परिवहन ना होना सुनिश्चित किया जा सके।

आयोग की ओर से बताया गया कि चुनाव प्रचार में राजनेताओं की सहायता करते पाए गए करीब 106 सरकारी सेवकों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की गई है, क्योंकि ऐसा करना विविध नियमों और रीति-नीतियों के विरूद्ध है।

चुनाव आयोग के सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि आयोग की निगरानी में काम करने वाले अधिकारियों ने लोकसभा चुनाव से पूर्व 2,069 करोड़ की नशीली दवाईयों सहित कुल 4,650 करोड़ की जब्ती की है।

चुनाव पैनल ने बताया कि गत 1 मार्च से लेकर अब तक जो जब्तियाँ की गई है, वे वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान की गई 3,475 करोड़ रूपयों की जब्तियों से अधिक हैं।

सात चरणों में सम्पन्न होने वाले लोकसभा चुनाव की गत 16 मार्च को घोषणा की गई थी। मतदान का पहला चरण 19 अप्रेल को, जबकि अंतिम चरण 1 जून को है।

आयोग ने बताया कि प्रशासन 1 मार्च के बाद से प्रतिदिन 100 करोड़ रूपये मूल्य की वस्तुओं की जब्ती करता रहा है।

कुल 4,658 की जब्ती में नकदी 395 करोड़ और 489 करोड़ से अधिक की शराब है।

विशेष बात यह है कि ज़ब्त की गई सामग्री में 2,069 करोड़ रूपए से अधिक मूल्य की नशीली दवाईयाँ हैं।

आयोग ने ध्यान दिलाया कि काला धन और सीमा से अधिक रूपया अधिक साधन सम्पन्न पार्टी या प्रत्याशी के पक्ष में माहौल बना सकता है। उसने आगे बताया कि सभी पार्टियाँ और प्रत्याशियों के लिए समान अवसर उपलब्ध करवाने और दुराचार एवं प्रलोभन मुक्त चुनाव सम्पन्न करवाने के उसके संकल्प में जब्ती एक महत्वपूर्ण भाग है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

'500 साल बाद रामलला अपना जन्मदिन भव्य मंदिर में मनाएंगे'

जयपुर के भव्य रोड शो में केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राम मंदिर की याद दिलाई

जयपुर 15 अप्रेल। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जयपुर चारदीवारी में रोड शो किया। रोड शो सांगानेरी गेट से शुरू होकर छोटी चौपड़ पर खत्म हुआ और तकरीबन 1.8 किलोमीटर लंबा रोड शो एक घंटे तक चला। इस दौरान अमित शाह के साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी और जयपुर शहर लोकसभा सीट से भाजपा की प्रत्याशी मंजू शर्मा भी मौजूद रहीं। विधानसभा चुनावों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसी क्षेत्र में शानदार रोड शो किया था।

इस रोड शो के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि, गर्मी है सुबह 7 बजे ही जाकर मतदान कर लेना और मंजू शर्मा को जिता देना। मंजू और कमल के निशान पर दिया वोट मोदी को प्रधानमंत्री बनाएगा। अमित शाह ने कहा कि, 17 अप्रैल रामनवमी को 500 साल बाद रामलला अपना जन्म दिन भव्य मंदिर में मनाएंगे। भूमि पूजन हुआ और प्राण प्रतिष्ठा भी हो गई। इस दौरान लोगों ने जमकर प्रधानमंत्री मोदी जिंदाबाद के नारे लगाए।

- **राम मंदिर का जिक्र आने पर जनता ने ''मोदी जिंदाबाद'' के नारे लगाए।**
- **रोड शो में गृहमंत्री शाह ने भाजपा प्रत्याशी मंजू शर्मा को शानदार मतों से जिताने की अपील करते हुए कहा कि, गर्मी है, सुबह 7 बजे जाकर ही मतदान कर मंजू शर्मा को जिता देना।**
- **रोड शो के माध्यम से भाजपा ने जयपुर शहर की उन तीन विधायनसभा सीटों को साधने का प्रयास भी किया, जहां विधानसभा चुनावों में भाजपा का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था।**
- **रोड शो सांगानेरी गेट से शुरू हुआ, जहां शाह ने गणेश जी को नमन किया। हनुमान मंदिर में उन्हें केसरिया साफा पहनाकर गदा भेंट की गई।**

अमित शाह के रोड शो की शुरुआत सांगानेरी गेट से हुई इस दौरान शाह ने सबसे पहले सांगानेरी गेट के गणेशजी को हाथ जोड़कर नमन किया फिर रोड शो आगे बढ़ा। सांगानेरी गेट हनुमान मंदिर पर भी शाह ने दर्शन किए जहां उन्हें केसरिया साफा पहनाया गया और गदा भेंट की गई।

रोड शो में आगे चल रही महिलाओं ने केसरिया साड़ी के साथ केसरिया साफा भी धारण कर रखा था। रोड शो के दौरान लगभग 25 जगहों पर अमित शाह का स्वागत हुआ।

इससे पहले, केंद्रीय गृहमंत्री के दौरे के लिए पूरे शहर को भाजपा के झंडों और पोस्टर से सजा दिया गया। पुलिस ने शाह की सुरक्षा को लेकर बैरिकेडिंग की थी। शाह के दौरे के लिए चारदीवारी में वाहनों की आवाजाही को पूरी तरह बंद कर दी गई थी। रोड शो शुरू होने से पहले हवामहल विधायक बालमुकुंद आचार्य की बड़ी चौपड़ पर भाजपा कार्यकर्ताओं की एन्ट्री को लेकर पुलिस से कहासुनी हो गई। शाह का रोड शो सांगानेरी गेट से शुरू होकर जौहरी बाजार, बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया बाजार होते हुए छोटी चौपड़ पहुंचा। इस दौरान जगह जगह पर रोड शो का स्वागत किया गया।

गौरतलब है कि शीर्ष नेतृत्व लगातार प्रदेश में दौरा कर रहा है। खास कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चुनाव की कमान संभाल रखी है। कमजोर सीटों पर विशेष रणनीति के साथ काम कर रही भाजपा सुरक्षित सीटों की उन विधानसभा सीटों को भी फोकस कर रही है जहां 2023 के विधानसभा चुनाव में ज्यादा अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा। इसी कडी में भाजपा के चाणक्य कहे जाने वाले अमित शाह एक बार फिर राजस्थान दौरे पर रहे। शाह ने

(शेष पृष्ठ 5 पर)

सिब्बल और पित्रोदा साथ-साथ

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल जो अब कांग्रेस में नहीं है उन्हें कांग्रेस ने पार्टी से निष्कासित किया हुआ है, उन्होंने कांग्रेस के सलाहकार सैम पित्रोदा के साथ मिलकर वर्तमान में चल रहे चुनावों के बारे में ''द आईडिया ऑफ डैमोक्रेसी'' नाम से एक पुस्तक लिखी है।

- **वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल भले ही अब कांग्रेस से निष्कासित हैं, पर हाल में उन्होंने कांग्रेस के प्रमुख सलाहकार सैम पित्रोदा के साथ मिल कर किताब लिखी है। ''द आईडिया ऑफ डैमोक्रेसी'' शीर्षक वाली यह किताब वीडियो कॉन्फ्रैंसिंग के जरिए लाँच की गई।**

पित्रोदा हमेशा गांधी परिवार की मदद करते रहे हैं विशेषरूप से राहुल

(शेष पृष्ठ 5 पर)

अब सुप्रीम कोर्ट व हाई कोर्ट के 21 जजों ने चीफ जस्टिस चन्द्रचूड़ को पत्र लिखा

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चन्द्रचूड़ को लिखे एक पत्र में, 21 सेवानिवृत्त जजों के एक समूह ने ''कुछ गुटों द्वारा गलत सूचना, सोचा-समझा दबाव बनाकर व जनता की बुराई के माध्यम से न्यायपालिका को कमजोर करने के प्रयासों'' पर चिंता व्यक्त की है। 600 अधिवक्ताओं ने भी हाल में ही ऐसी चिंताएं जाहिर की थी।

सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के सेवानिवृत जजों ने अपने पत्र में कहा कि, ''ये आलोचक अपने संकीर्ण राजनैतिक हितों और निजी लाभों से प्रेरित होकर, न्याय-तंत्र में जनता के विश्वास को नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं।'' रिटायर्ड जजों, चार सुप्रीम कोर्ट के जजों समेत, ने उन घटनाओं का उल्लेख नहीं किया, जिसके कारण उनको यह पत्र लिखना पड़ा। भाजपा और विपक्षी दलों के बीच कुछ विपक्षी नेताओं के भ्रष्टाचार के मामलों के संबंध में चल रहे वाक्-युद्ध के समय यह पत्र आया है।

विपक्षी नेताओं ने, खासकर हाल के महीनों में कानूनी रास्तों से राहत प्राप्त करने के प्रयास किए हैं, जबकि भाजपा ने कथित तौर पर कुछ न्यायिक निर्णयों का उपयोग करते हुए उन घटनाओं का विशेष उल्लेख किया है, जिनमें न्यायालय ने गिरफ्तार नेताओं को राहत नहीं दी थी।

- **इन न्यायाधीशों ने अपने पत्र में लिखा है कि, कुछ प्रमुख वकील लगातार दबाव, अफवाहबाजी व न्यायालयों की सार्वजनिक निंदा करके जजों व उनके मनोबल को कमजोर करने की साजिश कर रहे हैं।**
- **इस पत्र से पहले 600 प्रमुख व वरिष्ठ वकीलों ने इसी मुद्दे पर चिंता व आशंका जताई थी।**
- **आज के वातावरण में इन दोनों शिकायत पत्रों का आना खास मायने रखता है, क्योंकि आजकल विपक्ष के बीच बड़ा वाक् युद्ध छिड़ा हुआ है, कुछ विपक्ष के नेताओं के खिलाफ चल रहे भ्रष्टाचार के मामले पर।**

इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस ने सोमवार को आरोप लगाया कि, 21 जजों का यह पत्र, ''प्रधानमंत्री द्वारा प्रायोजित एक प्रचार है। वह न्यायपालिका को, जिसने हाल के कुछ महीनों में अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया था, डराना, धमकाना चाहते हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि, ''न्यायपालिका की स्वतंत्रता को सबसे बड़ा खतरा भाजपा से है। कृपया इस सूची के चौथे नाम को देखिए, जिससे इस पत्र का उद्देश्य, पृष्ठभूमि और लेखक का पता चल जाएगा।'' वह स्पष्ट रूप से पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज एम.आर. शाह का उल्लेख कर रहे थे।

जस्टिस शाह के अलावा, पूर्व सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश दीपक वर्मा, कृष्ण मुरारी और दिनेश माहेश्वरी ने भी पत्र पर हस्ताक्षर किए थे। मुंबई उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त जस्टिस अम्बादास जोशी, दिल्ली उच्च न्यायालय के जस्टिस अजीत भरिहोके और राजस्थान उच्च न्यायालय के पूर्व

(शेष पृष्ठ 5 पर)

'इलैक्टोरल बॉण्ड पर विपक्ष झूठ फैला रहा है'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अप्रेल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि सरकार ने कभी यह दावा नहीं किया कि इलेक्टोरल बॉण्ड्स स्कीम चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने का एकमात्र माध्यम है।

- **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि, उन्होंने कभी नहीं कहा कि, चुनाव प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता का सर्वश्रेष्ठ तरीका चुनावी बॉण्ड है।**

ए.एन.आई. को दिए साक्षात्कार में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि लम्बे समय से देश में इस पर चर्चा होती रही है कि काला धन चुनावों के लिए बहुत खतरनाक है।

उन्होंने कहा कि ''चुनावों में पैसा

(शेष पृष्ठ 5 पर)

राष्ट्रपति जो बाइडन ने इज़रायल को अफरा-तफरी में जवाबी कार्यवाही न करने की सलाह दी

पूर्व डिफैन्स सचिवों ने अमेरिकी राष्ट्रपति की इज़रायल को दी गयी सलाह को बड़ी ''शर्मिन्दा'' करने वाली बात बताया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अप्रेल। इज़रायल पर ईरान का बहुप्रतिक्षित हमला आखिर हो गया, किन्तु ईरान के लिए इसकी परिणति एक रिरियाते हुए छोटे बच्चे के सामन रही।

ईरान ने सीरिया की राजधानी दमिश्क स्थित उसके वाणिज्य दूतावास पर इज़रायल द्वारा की गई बमबारी के जवाब में इज़रायल पर मिसाइल्स का जबर्दस्त हमला बोला था, लेकिन इज़रायल का एयर डिफैन्स अम्ब्रेला युद्ध तकनीक में ईरान से बेहतर साबित हुआ।

ईरान ने पिछले सप्ताहांत इज़रायल पर तकरीबन 300 बैलिस्टिक मिसाइल्स, ड्रोन्स तथा अन्य अस्त्र दागे, लेकिन इज़रायल के एयर डिफ्रैंस सिस्टम ने एक या दो को छोड़कर सभी को इन्टरसैप्ट कर नष्ट कर दिया। इज़रायल के रक्षा अभियान में अमेरिका भी शामिल था।

- **अमेरिका के रक्षा विशेषज्ञों के एक धड़े ने साफ कहा कि, इज़रायल की डिफैन्स के मामले में ''टैक्नोलॉजिकल सुपीरिऑरिटी'' अब स्थापित हो गयी, ईरान के मुकाबले, क्यों इज़रायल की ''एयर अम्ब्रेला'' ने ईरान द्वारा दागी गयी लगभग 300 मिसाइल्स व ड्रोन्स को हवा में ही मार गिराया।**
- **पर, यह भी सच है कि, भाग्य ने भी इज़रायल का साथ दिया था, अगर अगले ऐसे आक्रमण में इज़रायल इतना भाग्यशाली नहीं हुआ तो उसे भारी तबाही का सामना करना पड़ सकता है। अतः इज़रायल को जवाबी कार्यवाही पर संयम बरतने की सलाह इज़रायल के लिये आत्मघाती है।**

इज़रायल के एयर डिफ्रैंस कवर में अमेरिका की रेथिऑन डिवाइसेस के अलावा राफेल के सिस्टम्स का इस्तेमाल किया जाता है। ज्ञातव्य है कि भारत ने अपनी वायु सेना की मारक क्षमताओं को बढ़ाने के लिए राफेल लड़ाकू विमानों का एक बेड़ा खरीदा था।

इन हमलों और जवाबी हमलों को देखते हुए ऐसा लगता है कि मध्य-पूर्व एक तीव्र गति से बारूद के एक ऐसे ढेर में तब्दील होता जा रहा है, जिसमें महाविस्फोट हो सकता है और एक व्यापक संघर्ष की सूरत में कई देश इसकी जद में आ सकते हैं। इज़रायल के डिफैंस ऑपरेशन्स में अमेरिकी सेना भी शामिल रही। मध्य-पूर्व के समुद्र में मौजूद छोटे जंगी जहाजों के उसके बेड़े ने ईरान के करीब 70 ड्रोन और एक बैलिस्टिक मिसाइल को नष्ट कर पानी में डुबो दिया।

ईरान ने इज़रायल के लक्ष्यों पर 120 बैलिस्टिक मिसाइल्स, 30 क्रूज़ मिसाइल्स और 170 ड्रोन्स दागे थे।

इस तरह के मिसाइल हमलों को रोकने और नुकसान को न्यूनतम करने को लेकर इज़रायल के पास त्रिस्तरीय डिफैंस कवर है। इस डिफैंस कवर के सबसे निचले स्तर पर आइरन डोम, फिर एरो 1 और एरो 2 सिस्टम्स के बाद डेविड्स स्लिंग है जो अपनी और आने वाले अस्त्रों को निकट आने से पूर्व आकाश में ही नष्ट कर देते हैं।

ईरानी मिसाइलों की बौछार के बाद सभी संबंधित पक्ष इज़रायल की प्रतिक्रिया को लेकर चिन्तित हैं और गत 7 अक्टूबर को हुए आतंवादी

(शेष पृष्ठ 5 पर)

सुप्रीम कोर्ट से केजरीवाल को राहत नहीं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को कोई अंतरिम राहत नहीं दी, केजरीवाल ने दिल्ली शराब नीति घोटाला के तहत हुई अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी है, इस मामले में जवाब दाखिल करने के लिए कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय को नोटिस जारी किया है और कोर्ट 29 अप्रैल को अप्रैल के अंतिम सप्ताह में मामले की सुनवाई करेगा।

- **सुप्रीम कोर्ट ने ई.डी. से बुधवार से पहले या बुधवार तक जवाब मांगा है, उसके बाद ही पता चलेगा कि, केजरीवाल को राहत मिलेगी या नहीं।**

(शेष पृष्ठ 5 पर)